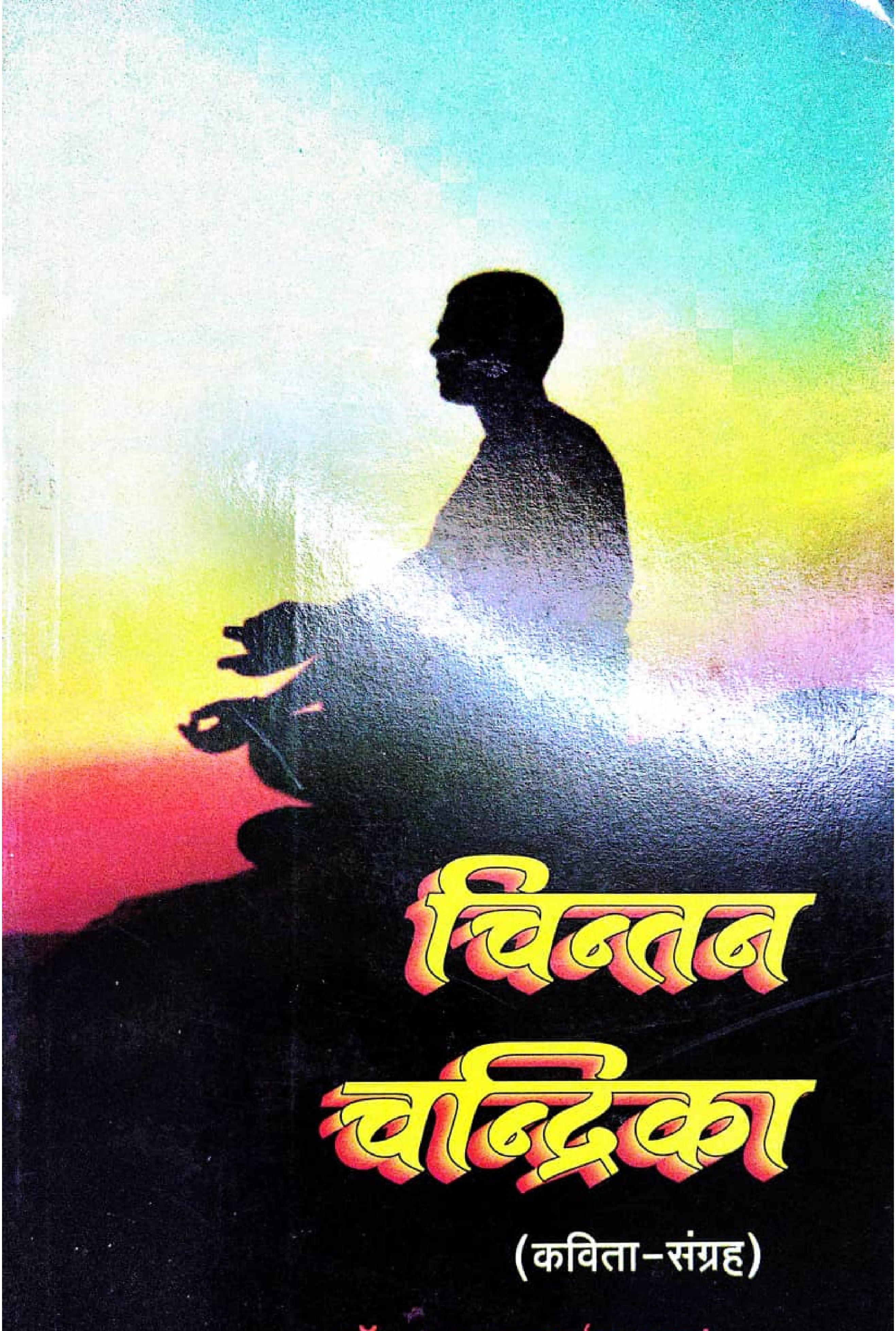

चिन्तन चन्द्रिका

(कविता-संग्रह)

डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'

Scanned with OKEN Scanner

चिन्तन चन्द्रिका

(कविता-संग्रह)

डॉ. रामकृपाल 'कृपाल'

प्रथम संस्करण	:	2017
प्रतियाँ	:	500
सर्वाधिकार	:	रचनाकार के अधीन
मूल्य	:	₹200/-
प्रकाशक	:	राष्ट्रीय बुन्देली साहित्य एवं संस्कृति सेवा संस्थान, उरई (उ.प्र.)
मुद्रक	:	श्री सेवक कार्ड्स एवं प्रिण्टर्स
ग्राफिक्स एवं डिजायन	:	विनय कुमार पाटकार अभिमन्यु पाटकार
पाण्डुलिपि सम्पादन	:	डॉ. इन्द्रपाल सिंह परिहार 'अभय'
परामर्शदाता	:	डॉ. महेश पाण्डेय 'बजरंग' प्रान्तीय अध्यक्ष (अखिल भारतीय साहित्य परिषद्)

CHINTAN-CHANDRIKA

(Poetry Collection)

by **Dr. Ram Kripal 'Kripal'**

Rate:₹200/-

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

(क) आत्मकथ्य 06
(ख) चिन्तन-चन्द्रिका की रचनाओं पर एक विहंगम दृष्टि 08
(ग) प्राक्कथन 10
(घ) चिन्तन-चन्द्रिका का अलंकार सौष्ठव 16
(ङ) समर्पण 22
1. वाणी वन्दना 23
2. ममता का सागर 24
3. जलो किन्तु कुल दीपक बनकर 25
4. व्याधियों से न विचलित 26
5. ऊँचाई का दर्प 27
6. जहाँ पखेरू एक नीड़ के 28
7. पद प्रशस्ति की प्रबल प्यास 29
8. हृदय शून्य है 30
9. होली 31
10. लिखते-लिखते कलम थकी है 32
11. लक्ष्य धर्म का 33
12. राज सदन क्या जाने 34
13. मिले सब माटी में अरमान 35
14. प्यार से बोलिए 36
15. नव वर्ष आ गया है 37
16. कर लो स्मृति 38
17. आँसू अन्तस की भाषा है 39
18. प्रेम की गूँजे मधुमय तान 40
19. जीवन के दिन चार 41
20. प्रेम तत्व ही सार 43
21. सेवा ही करुणा साकार 44
22. दीप बनकर अंधेरा मिटाना 45
23. बात घर की (बुन्देली) 46
24. रसन की खान बुन्देली 47
25. दम्भ ज्ञान का हृदय जलाता 48
26. जली न अब तक ज्योति 49
27. पानी मूलाधार सृष्टि का 50
28. धन्य है कवियों का दरबार 51
29. बड़े भाग्य से नर तन पाया 52
30. जयति-जयति जगज्जननि 53
31. बुन्देली किसान गीत 54
32. महंगें धन्धों है चुनाव को 55

33. दम्भ श्रेष्ठता का 56
34. प्रगति का द्वार है हिन्दी 57
35. नशा नसैनी अधोपतन का 58
36. हित से भरे हाड़ मुठ्ठी भर 59
37. फूल कागज के 61
38. बोया है जो हमने 62
39. कभी खुशियां कभी मातम 63
40. मन कहता है दुनिया बदलो 64
41. बात-बात निर्धारित करती 65
42. बड़ी सोच से 66
43. आओ दीपावली मनायें 67
44. मान घटे अभिमान किये 68
45. अन्तर ज्ञान का स्रोत जगावें 69
46. ज्ञान के समान 70
47. बुन्देली माटी की खुशबू 71
48. व्यापक ब्रह्म-एक मालिक 73
49. वही है कला कर सके जो भला 74
50. फूलों की शैया को छोड़ा 75
51. महँगाई 76
52. प्राणी मात्र चाहता है 77
53. सम्प्रदाय-सद्‌भाव 78
54. घर की अब सरकार है 80
55. कंटकों में फूल जैसे 81
56. रोग ग्रस्त शिक्षा 83
57. दाल-रोटी में सिमटती 84
58. साधना सबसे बड़ी 85
59. मन ही बंधन-मोक्ष प्रदाता 86
60. राष्ट्र नइया खिवइया 87
61. मातृभूमि के लिए 88
62. दूर दुर्गुण कर दयामय 89
63. विरथां जनम गमायौ 90
64. कुण्डलियाँ 90
65. गाँवों का बचपन 91
66. स्वयं सफलता चरण चूमती 93
67. तुम्हारे हैं 94
68. सद्‌गुण-सुमित नहीं अब सम्पत्ति 95
69. श्रद्धाञ्जलि गीत 96
70. शक्ति इतनी दयामय हमें दीजिए 97
71. बधाई 98/99

Scanned with OKEN Scanner

संक्षिप्त जीवन परिचय

नाम	:	डॉ. रामकृपाल
उपनाम	:	कृपाल
पिता	:	श्री रामदास (प्रधानाध्यापक)
माता	:	[illegible] देवी
पत्नी	:	[illegible]
शिक्षा	:	एम.ए.,बी.एड.,आयुर्वेद रत्न,आर.एम.पी.
व्यवसाय	:	सेवा निवृत्त शिक्षक, उ.मा.वि.छानीखास
सम्प्रति	:	स्वतन्त्र लेखन, चिकित्सीय सेवा।
सृजन	:	1. अन्तर्दृष्टि (काव्य-संग्रह) 2. चिन्तन-चन्द्रिका (काव्य-संग्रह) 3. बुन्देली काव्य संग्रह (अप्रकाशित) 4. जीवन-दर्शन (लेख) (अप्रकाशित) 5. कबीर-परिचय (अप्रकाशित)
प्रकाशन	:	विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन
प्रसारण	:	आकाशवाणी केन्द्र छतरपुर (म.प्र.) से प्रसारण।
सम्पर्क	:	1. नव चेतना सदन, खण्डेराव, जालौन (उ.प्र.) 2. छानीखास, पो. कैथ, जि. जालौन (उ.प्र.)
मोबाइल नं.	:	09838928403

Scanned with OKEN Scanner